# प्रेस विज्ञप्ति

## प्रदेश के युवाओं को नई दिशा देगा डा0 कलाम सेन्टर

### पूर्व राष्ट्रपति डा0 कलाम के सलाहकार द्वारा उ0प्र0प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ में सेन्टर की रूपरेखा प्रस्तुत

प्रदेश के युवाओं को ग्राम्य विकास, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता विकास जैसे विकास कार्यों के प्रति प्रेरित करने के लिये डा0 एपीजे अब्दुल कलाम सेन्टर की स्थापना की ओर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्य सचिव के साथ बैठक के उपरान्त पूर्व राष्ट्रपति डा0 कलाम के सलाहकार श्री सृजन पाल सिंह द्वारा उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ में इस महत्वाकांक्षी योजना की प्रस्तुति की गयी।

श्री सृजन पाल सिंह ने अपने प्रस्तुतीकरण में जोर दिया कि प्रदेश में 9 करोड़ युवाओं की वृहद संख्या में असीम सम्भावनाएं विद्यमान हैं। डा0 कलाम सेन्टर के माध्यम से इस युवाशक्ति को सही दिशा देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि मस्तिष्क एवं हृदय का प्रदूषण युवाओं के लिए सर्वाधिक नुकसानदेह साबित होगा जो कि लम्बे समय में देश की विचारधारा को भी प्रदूषित करेगा। इस सेन्टर के माध्यम से शोध एवं वास्तविक कार्य की रूपरेखा तय की गयी है। डा0 कलाम के मिशन के आधार पर सतत् विकास तथा बेहतर जीवनयोग्य पृथ्वी की रचना में ग्राम्य विकास, शैक्षिक सुधार, तकनीक विकास पर शोध कार्य होंगे। देश में प्रतिवर्ष एक वार्षिक युवा सभा का आयोजन होगा। फरवरी, 2016 में प्रथम युवा सभा का आयोजन उत्तर प्रदेश में आगरा में किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस सभा में प्रदेश के 100 तथा अन्य प्रदेशों के 100 छात्रों को दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने होंगे। इन युवाओं का चयन एक राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के माध्यम से किया जायेगा। जिसमें छात्रों के मूलभूत विचारों से प्रेरित प्रोजेक्टस का मूल्यांकन किया जायेगा। छात्रों के चयन की प्रक्रिया नवम्बर, 2015 से शुरू होगी।

श्री सिंह के प्रस्तुतीकरण के सापेक्ष उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के 10 संस्थानों के 10 छात्रों द्वारा 10 गाँवों में इसे पायलट प्रोजेक्ट की तौर पर शुरू किया जायेगा।

पेज-1

इंजीनियरिंग एवं प्रबन्धन के छात्रों के अन्तिम वर्ष के प्रोजेक्ट वर्क में इन विचारों को शामिल किया जायेगा। विभिन्न विधाओं में प्राप्त हुए प्रोजेक्टस में से सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट को विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। इस बृहत आयोजन के ''लोगो'' आदि की डिजाइन एवं रिसोर्स पर्सन की उपलब्धता, पर्यावरण के क्षेत्र में डा0 कलाम चेयर की स्थापना जैसे कार्यो में विश्वविद्यालय अपना योगदान कर सकता है। प्रथम चरण में 30 से 40 प्रोजेक्टस का चयन किया जाना प्रस्तावित है। इस सम्बन्ध में डा0 कलाम सेन्टर के साथ विश्वविद्यालय का एमओयू हस्ताक्षरित करने का भी निर्णय हो सकता है।

इस दिशा में सार्थक पहल करने के लिये सुझाव दिया गया कि डा0 कलाम सेन्टर की स्थापना के लिए सोसाइटी के माध्यम से सभी कानूनी पहलुओं का समावेश करते हुए वित्तीय व्यवस्था के स्पष्टीकरण के साथ आगे कदम बढ़ाना उचित होगा। प्रो0 पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय इस पर अतिआवश्यकता के आधार पर ही राशि उपलब्ध करायी जा सकेगी।

श्री सिंह के प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी डीन एवं सम्बन्धित विषयों के विशेषज्ञ प्रोफेसर भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय कुलसचिव, श्री के0के0 चौधरी, वित्त अधिकारी, सुश्री सरन प्यारी वर्मा तथा विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा, श्री शिवाकान्त द्विवेदी भी उपस्थित थे।

## डा0 कलाम डिजाइन प्रतिस्पर्धा की अन्तिम तिथि बढ़ाई गयी

डा0 एपीजे अब्दुल कलाम स्मारक की स्थापना के लिये डिजाइन प्रतिस्पर्धा में वास्तुविद् छात्रों द्वारा डिजाइन प्रेषित किये जाने की अन्तिम 30 अगस्त से बढ़ाकर 15 सितम्बर, 2015 कर दी गयी है। डिजाइन प्रतिस्पर्धा के आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रहे वास्तुकला संकाय, उ0प्र0प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ की ओर से श्रीमती वन्दना सहगल ने उक्त जानकारी दी।

(आशीष मिश्र)

पेज-2